

ओडिशा के वन में दखा ब्लैक पैंथर

चर्चा में क्यों?

ओडिशा के सुंदरगढ़ ज़िले के जंगल में ब्लैक पैंथर की उपस्थिति की पुष्टि हुई है। इस ब्लैक पैंथर की गतिविधि कैमरे में रिकॉर्ड हुई है। ये फोटोग्राफ ओडिशा को नौवा राज्य बनाते हैं जहाँ दुर्लभ प्रजाति की बड़ी बलिली पाई गई है।

महत्त्वपूर्ण बंदि

- ब्लैक पैंथर या मेलानिस्टिक तेंदुआ (melanistic leopard), भारतीय तेंदुए के रंग में भन्निता है और सुंदरगढ़ वन वभिाग के हेमगीर रेंज के गर्जनपहाड़ रज़िर्व फ़ॉरैस्ट में इसकी उपस्थिति दर्ज की गई है।
- यह पहली बार है जब ओडिशा के जंगलों में ब्लैक पैंथर की उपस्थिति दर्ज की गई है।
- तेंदुए की त्वचा के रंग अलग-अलग होता है तथा गहरे रंग के मेलानिस्टिक स्वरूप को ब्लैक पैंथर कहा जाता है।
- यह आम तेंदुओं की तरह ही शर्मीला होता है तथा इसको पहचान पाना बहुत मुश्किल होता है।
- यह मुख्य रूप से दक्षिण भारत के घने जंगलों में पाया जाता है।
- संरक्षति वन क्षेत्र जहाँ ब्लैक पैंथर पाया गया है, हेमगरि तथा गोपालपुर रेंज में क्रमशः 5947.47 हेक्टेयर तथा 4090.65 हेक्टेयर के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- हालाँकि, ब्लैक पैंथर की उपस्थिति की खबर 26 साल पहले आई थी लेकिन किसी भी वैज्ञानिक या सचतिर रिकॉर्ड ने इस दावे की पुष्टि नहीं की थी।
- केरल (पेरयार टाइगर रज़िर्व), कर्नाटक (भाद्र टाइगर रज़िर्व, दांदेली-अंशी टाइगर रज़िर्व और कबीनी वन्यजीव अभयारण्य), छत्तीसगढ़ (अंचनमार टाइगर रज़िर्व), महाराष्ट्र (सतारा), गोवा (महादई वन्यजीव अभयारण्य), तमलिनाडु (मुदुमलै टाइगर रज़िर्व), असम और अरुणाचल प्रदेश में भी ब्लैक पैंथर की उपस्थिति दर्ज की गई है।